Role of Youth in Making India Free from Smuggling & Counterfeiting

1st December 2023 I St. Edmund's School, Sector-5, Jawahar Nagar, Jaipur

City First (First India)

In an effort to raise awareness among the youth about the dangers associated with illicit trade, FICCI CASCADE (Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy) organised an interschool competition in St Edmunds School recently. Focused on the theme 'Role of Youth in Making India Free from Smuggling Counterfeiting, the competition featured three distinct categories: Painting, Speech, and Jingle Writing. The programme saw an overwhelming response and participation from more than 350+ students from over 30 schools in Jaipur.

Society News

FICCI CASCADE organises inter-school competition in Jaipur to sensitise school children on threats posed by illicit trade

JAIPUR (Society News). In an effort to raise awareness among the youth about the dangers associated with illicit trade, FICCI CASCADE (Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy) organized an interschool competition in St Edmund's School, Jawahar Nagar, Jaipur. Focused on the theme 'Role of Youth in Making India Free from Smuggling & Counterfeiting,' the competition featured three distinct categories: Painting, Speech, and Jingle Writing. The programme saw an overwhelming response and participation from more than 350+ students from over 30 schools in Jaipur. Devendra Mohan Mathur, President, Rajasthan State Consumer Disputes Redressal Commission, Jaipur said, "I strongly believe that awareness initiatives like FICCI CASCADE's inter-school competition can help cultivate a generation that is vigilant against the threats of illicit trade." He felicitated the winners for the inter-school competition. Dr Anant Sharma, Chairman, Consumer Confederation & ICAN said, "The utilization of fraudulent or counterfeit products not only adversely affects the economy but also poses significant health risks. The battle against smuggling and counterfeiting not only serves the interests of the government but also brings substantial advantages to both the industry and consumers alike." PC Jha, Advisor, FICCI CASCADE and Former Chairman of the Central Board of Indirect Taxes and Customs, said, "The primary challenge associated with counterfeiting and smuggling lies in the lack of proper tracking and documentation throughout the entire lifecycle of these goods, spanning from their production to consumption." To illustrate, the illicit trade within five specific sectors smartphones, cigarettes, alcohol, packaged foods and household items results in an annual financial loss of nearly 5800 crores. It is imperative for all of us to come together and combat the dual threats of counterfeiting and smuggling. By making the youth aware about the correlation between ethical practices and economic integrity, we can help build a stronger nation, emphasized Mr. Jha. Deep Chand, Advisor, FICCI CASCADE and Former Special Commissioner of Police, New Delhi said, "Being the future decision-makers, youth must understand the adverse consequences of illicit trading from an early age. It is our responsibility to provide them with the education to address the risks posed by this menace and make informed choices. By empowering the younger generation, we will contribute towards building a society free from the scourge of smuggling and counterfeiting." The market for contraband and smuggled goods is thriving in India and is today one of the biggest challenges Indian industry faces. The country is witnessing widespread smuggling in various product categories such as gold, cigarettes, cosmetics, medicines, jewellery, readymade garments, alcohol, capital goods and consumer electronics, which is severely hurting the country's economy. FICCI CASCADE is a dedicated forum on combating smuggling and counterfeiting. Over the years, FICCI CASCADE has been working on creating awareness on tackling this grave problem which is not only a serious threat to public health and safety but also results in huge losses to the Indian economy and has the potential to derail the country's growth momentum. Along with policy makers, industry, enforcement officials and media, FICCI CASCADE has been working closely with the country's youth in its fight to address this issue through various interschool and intercollege competitions.

Dainik Bhaskar

फिक्की कैस्केड ने स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

जयपुर। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्राँइंग द इकोनॉमी) ने आज सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया।'भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही।इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष अनन्त शर्मा ने कहा कि ''धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है।'दीप चंद, सलाहकार, फिक्की कैस्केड और पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली ने कहा, ''भावी निर्णायक होने के नाते, युवाओं को कम उम्र से ही अवैध व्यापार के दुष्परिणामों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें इस खतरे से उत्पन्न जोखिमों से निपटने और सूचित विकल्प चुनने के लिए शिक्षा प्रदान करें। युवा पीढ़ी को सशक्त बनाकर, हम तस्करी और जालसाजी के संकट से मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देंगे। प्रतिबंधित सामग्री और तस्करी के सामान का बाजार भारत में तेजी से बढ़ रहा है और आज यह भारतीय उद्योग के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। देश में सोना, सिगरेट, सौंदर्य प्रसाधन, दवाएं, आभूषण, रेडीमेड परिधान, शराब, पूंजीगत सामान और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बड़े पैमाने पर तस्करी देखी जा रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। फिक्की कैस्केड तस्करी और जालसाजी से निपटने के लिए एक समर्पित मंच है। वर्षों से, फिक्की कैस्केड इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए जागरूकता पैदा करने पर काम कर रहा है, जो न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है, बल्कि इसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होता है और देश की विकास गति को पटरी से उतारने की क्षमता है। नीति निर्माताओं, उद्योग, प्रवर्तन अधिकारियों और मीडिया के साथ, फिक्की कैस्केड विभिन्न इंटरस्कूल और इंटरकॉलेज प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के माध्यम से इस मुद्दे निपटने के लिए अपनी लड़ाई में देश के युवाओं के साथ मिलकर काम कर रहा है।

Dainik Jaltedeep

फिक्की कैस्केड ने अवैध व्यापार से उत्पन्न खतरों के प्रति स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

■ जलतेदीप , जयपुर

अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने आज सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया। 'भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल

प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है।

उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष अनन्त शर्मा ने कहा कि ''धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है। फिक्की कैस्केड के सलाहकार और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा, 'जालसाजी और तस्करी से जुड़ी प्राथमिक चुनौती इन वस्तुओं के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनके उत्पादन से लेकर उपभोग तक उचित ट्रैकिंग और दस्तावेज़ीकरण की कमी के कारण है उन्होंने आगे कहा ''उदाहरण के तौर पर, पांच विशिष्ट क्षेत्रों स्मार्टफोन, सिगरेट, शराब, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ और घरेलू सामान के भीतर अवैध व्यापार के चलते देश को सालाना लगभग 5800 करोड़ रुपए की वित्तीय हानि होती है। झा ने जोर देते हुए कहा इसकी रोकथाम के लिए हम सभी के लिए एक साथ आना और जालसाजी और तस्करी के दोहरे खतरों का मुकाबला करना जरूरी है।

Dainik News Jyoti

फिक्की कैस्केड ने अवैध व्यापार से उत्पन्न खतरों के प्रति स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

तस्करी और जालसाजी से मुक्त भारत बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर प्रतियोगिता भाषण, पेंटिंग और जिंगल-लेखन सहित तीन श्रेणियों में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

न्यूज ज्योति

जयपुर। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने आज सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया। 'भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही। इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष

अनन्त शर्मा ने कहा कि ''धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है।'' फिक्की कैस्केड के सलाहकार और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा, ÷जालसाजी और तस्करी से जुड़ी प्राथमिक चुनौती इन वस्तुओं के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनके उत्पादन से लेकर उपभोग तक उचित ट्रैकिंग और दस्तावेज़ीकरण की कमी के कारण है। उन्होंने आगे कहा ''उदाहरण के तौर पर, पांच विशिष्ट क्षेत्रों स्मार्टफोन, सिगरेट, शराब, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ और घरेलू सामान के भीतर अवैध व्यापार के चलते देश को सालाना लगभग 5800 करोड़ रुपए की वित्तीय हानि होती है। झा ने जोर देते हुए कहा इसकी रोकथाम के लिए हम सभी के लिए एक साथ आना और जालसाजी और तस्करी के दोहरे खतरों का मुकाबला करना जरूरी है। युवाओं को नैतिक प्रथाओं और आर्थिक अखण्डता के बीच सम्बन्ध के बारे में जागरूक करके, हम एक मजबूत राष्ट्र बनाने में मदद कर सकते हैं। दीप चंद, सलाहकार, फिक्की कैस्केड और पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली ने कहा, ''भावी निर्णायक होने के नाते, युवाओं को कम उम्र से ही अवैध व्यापार के दुष्परिणामों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें इस खतरे से उत्पन्न जोखिमों से निपटने और सूचित विकल्प चुनने के लिए शिक्षा प्रदान करें। युवा पीढ़ी को सशक्त बनाकर, हम तस्करी और जालसाजी के संकट से मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देंगे। प्रतिबंधित सामग्री और तस्करी के सामान का बाजार भारत में तेजी से बढ़ रहा है और आज यह भारतीय उद्योग के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। देश में सोना, सिगरेट, सौंदर्य प्रसाधन, दवाएं, आभूषण, रेडीमेड परिधान, शराब, पूंजीगत सामान और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बड़े पैमाने पर तस्करी देखी जा रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। फिक्की कैस्केड तस्करी और जालसाजी से निपटने के लिए एक समर्पित मंच है। वर्षों से, फिक्की कैस्केड इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए जागरूकता पैदा करने पर काम कर रहा है, जो न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है।

Divya Rashtra

फिक्की कैस्केड ने इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

दिव्य राष्ट्र

प्रतियोगिता में 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

जयपुर। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने शुक्रवार को सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया। 'भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही। इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा "मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष अनन्त शर्मा ने कहा कि "धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है। फिक्की कैस्केड के सलाहकार और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा, ‟जालसाजी और तस्करी से जुड़ी प्राथमिक चुनौती इन वस्तुओं के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनके उत्पादन से लेकर उपभोग तक उचित ट्रैकिंग और दस्तावेज़ीकरण की कमी के कारण है। उन्होंने आगे कहा "उदाहरण के तौर पर, पांच विशिष्ट क्षेत्रों स्मार्टफोन, सिगरेट, शराब, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ और घरेलू सामान के भीतर अवैध व्यापार के चलते देश को सालाना लगभग 5800 करोड़ रुपए की वित्तीय हानि होती है।

झा ने जोर देते हुए कहा इसकी रोकथाम के लिए हम सभी के लिए एक साथ आना और जालसाजी और तस्करी के दोहरे खतरों का मुकाबला करना जरूरी है। युवाओं को नैतिक प्रथाओं और आर्थिक अखण्डता के बीच सम्बन्ध के बारे में जागरूक करके, हम एक मजबूत राष्ट्र बनाने में मदद कर सकते हैं। दीप चंद, सलाहकार, फिक्की कैस्केड और पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली ने कहा, "भावी निर्णायक होने के नाते, युवाओं को कम उम्र से ही अवैध व्यापार के दुष्परिणामों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें इस खतरे से उत्पन्न जोखिमों से निपटने और सूचित विकल्प चुनने के लिए शिक्षा प्रदान करें। युवा पीढ़ी को सशक्त बनाकर, हम तस्करी और जालसाजी के संकट से मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देंगे।

Dainik Adhikar

फिक्की कैस्केड ने स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

जयपुर। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने आज सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया।'भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही।इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष अनन्त शर्मा ने कहा कि ''धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है।'दीप चंद, सलाहकार, फिक्की कैस्केड और पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली ने कहा, ''भावी निर्णायक होने के नाते, युवाओं को कम उम्र से ही अवैध व्यापार के दुष्परिणामों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें इस खतरे से उत्पन्न जोखिमों से निपटने और सूचित विकल्प चुनने के लिए शिक्षा प्रदान करें। युवा पीढ़ी को सशक्त बनाकर, हम तस्करी और जालसाजी के संकट से मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देंगे। प्रतिबंधित सामग्री और तस्करी के सामान का बाजार भारत में तेजी से बढ़ रहा है और आज यह भारतीय उद्योग के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। देश में सोना, सिगरेट, सौंदर्य प्रसाधन, दवाएं, आभूषण, रेडीमेड परिधान, शराब, पूंजीगत सामान और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बड़े पैमाने पर तस्करी देखी जा रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। फिक्की कैस्केड तस्करी और जालसाजी से निपटने के लिए एक समर्पित मंच है। वर्षों से, फिक्की कैस्केड इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए जागरूकता पैदा करने पर काम कर रहा है, जो न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है, बल्कि इसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होता है और देश की विकास गति को पटरी से उतारने की क्षमता है। नीति निर्माताओं, उद्योग, प्रवर्तन अधिकारियों और मीडिया के साथ, फिक्की कैस्केड विभिन्न इंटरस्कूल और इंटरकॉलेज प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के माध्यम से इस मुद्दे निपटने के लिए अपनी लड़ाई में देश के युवाओं के साथ मिलकर काम कर रहा है।

Dainik Bhor

फिक्की कैस्केड ने जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

जयपुर (एजेन्सी)। अवैध व्यापार से जुडे खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया। भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग।

इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही। इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष अनन्त शर्मा ने कहा कि धोखाधडी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढाता है।

तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लडाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है। फिक्की कैस्केड के सलाहकार और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा कि जालसाजी और तस्करी से जुडी प्राथमिक चुनौती इन वस्तुओं के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनके उत्पादन से लेकर उपभोग तक उचित ट्रैकिंग और दस्तावेजीकरण की कमी के कारण है। उन्होंने आगे कहा कि उदाहरण के तौर पर, पांच विशिष्ट क्षेत्रों स्मार्टफोन, सिगरेट, शराब, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ और घरेलू सामान के भीतर अवैध व्यापार के चलते देश को सालाना लगभग 5800 करोड़ रुपए की वित्तीय हानि होती है। दीप चंद, सलाहकार, फिक्की कैस्केड और पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली ने कहा कि भावी निर्णायक होने के नाते, युवाओं को कम उम्र से ही अवैध व्यापार के दुष्परिणामों को समझना चाहिए।

Hindustan Express

फिक्की कैस्केड ने अवैध व्यापार से उत्पन्न खतरों के प्रति स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

तस्करी और जालसाजी से मुक्त भारत बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर प्रतियोगिता भाषण, पेंटिंग और जिंगल-लेखन सहित तीन श्रेणियों में आयोजित की गई थी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने आज सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया। भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियो में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही। इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरो के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष श्री अनन्त शर्मा ने कहा कि धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है। फिक्की कैस्केड के सलाहकार और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री पीसी झा ने कहा, ÷जालसाजी और तस्करी से जुड़ी प्राथमिक चुनौती इन वस्तुओं के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनके उत्पादन से लेकर उपभोग तक उचित ट्रैकिंग और दस्तावेज़ीकरण की कमी के कारण है।

Hukumnama Samachar

फिक्की कैस्केड ने अवैध व्यापार से उत्पन्न खतरों के प्रति स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने आज सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया।' भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही।इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष अनन्त शर्मा ने कहा कि ''धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है। फिक्की कैस्केड के सलाहकार और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा, जालसाजी और तस्करी से जुड़ी प्राथमिक चुनौती इन वस्तुओं के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनके उत्पादन से लेकर उपभोग तक उचित ट्रैकिंग और दस्तावेज़ीकरण की कमी के कारण है।उन्होंने आगे कहा ''उदाहरण के तौर पर, पांच विशिष्ट क्षेत्रों स्मार्टफोन, सिगरेट, शराब, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ और घरेलू सामान के भीतर अवैध व्यापार के चलते देश को सालाना लगभग 5800 करोड़ रुपए की वित्तीय हानि होती है।

Rajasthan Patrika

फिक्की कैस्केड की प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर. फिक्की कैस्केड ने एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया। भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। कैस्केड के सलाहकार पीसी झा ने कहा, इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही।

Rajasthan Patrika 1

'तस्करी व नकली माल के विरुद्ध चेतना की आवश्यकता'

जयपुर @ पत्रिका. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की 'कैसकेड' एवं 'केन्स' के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी में इंटर स्कूल कॉम्पिटिशन एवं यूथ फेस्ट का आयोजन किया गया। तस्करीकृत एवं नकली उत्पादों के विरुद्ध जागरुकता के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनंत शर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेन्द्र मोहन माथुर थे। उपाध्यक्ष संजय खंडेलवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

Uday Today

फिक्की कैस्केड ने अवैध व्यापार से उत्पन्न खतरों के प्रति स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए जयपुर में इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया

जयपुर,(उदय टुडे)। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने आज सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया।'भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंग, भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही।इस अवसर पर राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा "मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उपभोक्ता परिसंघ और आईसीएएन के अध्यक्ष श्री अनन्त शर्मा ने कहा कि "धोखाधड़ी या नकली उत्पादों का उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बल्कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ाता है। तस्करी और जालसाजी के खिलाफ लड़ाई न केवल सरकार के हितों की पूर्ति करती है बल्कि उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से पर्याप्त लाभ पहुंचाती है। फिक्की कैस्केड के सलाहकार और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री पीसी झा ने कहा, जालसाजी और तस्करी से जुड़ी प्राथमिक चुनौती इन वस्तुओं के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनके उत्पादन से लेकर उपभोग तक उचित ट्रैकिंग और दस्तावेज़ीकरण की कमी के कारण है।उन्होंने आगे कहा "उदाहरण के तौर पर, पांच विशिष्ट क्षेत्रों स्मार्टफोन, सिगरेट, शराब, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ और घरेलू सामान के भीतर अवैध व्यापार के चलते देश को सालाना लगभग 5800 करोड़ रुपए की वित्तीय हानि होती है। श्री झा ने जोर देते हुए कहा इसकी रोकथाम के लिए हम सभी के लिए एक साथ आना और जालसाजी और तस्करी के दोहरे खतरों का मुकाबला करना जरूरी है। युवाओं को नैतिक प्रथाओं और आर्थिक अखण्डता के बीच सम्बन्ध के बारे में जागरूक करके, हम एक मजबूत राष्ट्र बनाने में मदद कर सकते हैं। श्री दीप चंद, सलाहकार, फिक्की कैस्केड और पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली ने कहा, "भावी निर्णायक होने के नाते, युवाओं को कम उम्र से ही अवैध व्यापार के दुष्परिणामों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें इस खतरे से उत्पन्न जोखिमों से निपटने और सूचित विकल्प चुनने के लिए शिक्षा प्रदान करें।

Dainik Navjyoti

फिक्की कैस्केड ने अवैध व्यापार से उत्पन्न खतरों के प्रति जागरूक किया

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर। अवैध व्यापार से जुड़े खतरों के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एण्ड काउन्टरफेटिंग एक्टीविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी) ने सेन्ट एडमंड स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर में एक इंटरस्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया। भारत को तस्करी और जालसाजी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर केन्द्रित प्रतियोगिता तीन अलग अलग श्रेणियों में थी जिनमें पेंटिंगए भाषण और जिंगल राइटिंग। इस प्रतियोगिता में जयपुर के 30 से अधिक स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही। राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग, जयपुर के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने कहा मेरा दृढ़ विश्वास है कि फिक्की कैस्केड की इंटर-स्कूल प्रतियोगिता जैसी जागरूकता पहल एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने में मदद कर सकती है जो अवैध व्यापार के खतरों के प्रति सतर्क है। उन्होंने अंतर विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया।